ISSN 2350-1065 MUKTANCHAL
वर्ष : 10, अंक 38, अप्रैल-जून 2023

शोध, समीक्षण, सृजन एवं संचार का

मुक्तांचल

लघुकथा विशेषांक

विद्यार्थी मंच

मूल्य : 100 रुपये

Scanned with OKEN Scanner

शोध समीक्षण

85 डॉ. नीरज दइया : नई नौकरानी
86 शशि कांडपाल : सहानुभूति
87 डॉ. रंजना जायसवाल : भरोसा
87 वीना सिंह : लौटता बचपन
88 रमेश मनोहरा : एहसास
89 आशीष दशोत्तर : अस्तित्व रक्षक
89 चाहत अन्वी : स्लीपर क्लास
90 छगनलाल सोनी : पिताजी
90 रविशंकर सिंह : समय-समय की बात
91 रंगनाथ द्विवेदी : कैलेंडर
91 डॉ. संजय कुमार सिंह : वफादारी का ईनाम
92 डॉ. प्रेमकुमार पांडेय : विभाजन रेखा
92 महेश कुमार केशरी : तमगा
93 परजन्या सिंह : डर
94 पारस कुंज : आतंकी हमला
95 रेणुका अस्थाना : तीन शब्द
96 अनवर शमीम : मालिक का तोता
96 माला वर्मा : एहसास

सृजन

97 मार्टिन जॉन : सो तो था
98 श्याम कुमार राई : नैतिकता
98 कल्पना मनोरमा : संभव ये भी है
99 डॉ. पिंकी कुमारी बागमार : बकरा
100 शिवनारायण : जहर के खिलाफ
100 उत्कर्ष अग्निहोत्री : भूख का सवाल
101 डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा : विश्वास
101 चंद्र किशोर जायसवाल : दौलत

संचार

भाषांतर

102 लिली हालदार : मरीच झाँपि की लड़की

पुस्तकायन

104 डॉ. नीरज दइया : अपनी बात स्वयं कहती 'उजास' की लघुकथाएँ
106 डॉ. रूपसिंह चंदेल : अपना-अपना आकाश
108 डॉ. प्रकाश कुमार अग्रवाल : अनेक संभावनाओं का द्वार खोलती: संभावना
111 मकेश्वर रजक : कथाकार रविशंकर सिंह की लघुकथाओं का सामाजिक सरोकार

साक्षात्कार

115 डॉ. लता अग्रवाल : स्पर्शिल मनोरचना तो लघुकथाओं का संवेदन है

अभिमत

Scanned with OKEN Scanner